रेल दुर्घटनाएं

328. **श्री राघवजीः** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) केन्द्र में नई सरकार के बनने से लेकर अब तक मध्य रेलवे और पूरे देश में कुल कितनी रेल दुर्घटनाएं हुई हैं;

(ख) उन गाड़ियों में से कितनी यात्री गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हुई और इन दुर्घटनाओं में मरने तथा घायल होने वाले यात्रियों की संख्या कितनी है;

(ग) इन दुर्घटनाओं के कारण रेलवे को कुल कितनी वित्तीय हानि हुई; और

(घ) इन दुर्घटनाओं के मुख्य कारण क्या थे और इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) और (ख) 1.6.96 से 31.10.96 तक की अवधि की सूचना इस प्रकार है:—

	मध्य रेलवे	भारतीय रेलें
परिणामी गाड़ी दुर्घटनाओं की संख्या	26	147
यात्री गाड़ियों सहित गाड़ी दुर्घटनाओं की संख्या	12	51

इन दुर्घटनाओं में 3 यात्रियों की जानें गईं और 61 यात्री गंभीर रूप से घायल हुए।

(ग) इन दुर्घटनाओं में रेल संपत्ति को हुई क्षति का 20.1 करोड़ रु० (लगभग) अनुमान लगाया गया है।

(घ) इन दुर्घटनाओं के लिए मुख्य कारण मानवीय चूक (रेल कर्मचारियों के अलावा अन्य व्यक्तियों सहित) उपस्कर की खराबी और तोड़-फोड़ आदि थे, गाड़ी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:—

1. ट्रंक मार्गों और महत्वपूर्ण मुख्य लाइनों पर रेलपथ परिपथन के काम में तेजी लाई गई है।

2. सिगनलिंग सरकिटरी को बदला जा रहा है ताकि होम सिगनल को तब तक नीचे न करना पड़े जब तक कि पहले की गाड़ी के लिए नीचे किया गया स्टार्टर और अग्रिम स्टार्टर वापस "ऑन" स्थिति में न आ जाए।

3. चालू (रनिंग) गाड़ी के चालक को खतरे के सिगनल के बारे में अग्रिम चेतावनी देने और यदि चालक पूर्व निर्धारित समय अंतराल में जवाब न दे तो गाड़ी को रोकने की सहायक चेतावनी प्रणाली मुंबई के उपनगरीय खंडों में पहले ही आरंभ कर दी गई है।

4. भारी पटरियों और कंकरीट स्लीपरों का प्रयोग करके रेलपथ ढांचे का ग्रेडोन्नयन कर दिया गया है।

5. रेलपथ का अनुरक्षण टाई टेम्पिंग और गिट्टी साफ करने वाली मशीनों से किया जाता है। अब रेलपथ, रेलपथ नवीकरण गाड़ियों और पेटिल क्रेनों से भी बनाया जा रहा है।

6. रेलपथ ज्यामिति और रेलपथ की संचलन संबंधी विशेषताओं की मानीटरिंग के लिए परिष्कृत रेलपथ रिकार्डिंग कारों, दोलनलेखी कारों और सुवाह्य एक्सिलरोमीटरों का प्रयोग बढ़ाया जा रहा है।

7. सवारी डिब्बों और मालडिब्बों के लिए अनुरक्षण सुविधाओं का आधुनिकीकरण किया गया है।

8. धुरों की कोल्ड ब्रेकेज के मामलों को रोकने के लिए नेमी ओवरहाल डिपुओं में पराध्वनिक परीक्षण उपस्कर लगाए गए हैं ताकि धुरों में त्रुटि पनपने के मामलों का समय रहते पता लगाया जा सके।

9. चालकों, गार्डों तथा गाड़ी संचलन से संबंधित अन्य कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण सुविधाओं का आधुनिकीकरण किया गया है। चालकों को उद्दीपकों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है।

10. कर्मचारियों के कार्य निष्पादन की लगातार मानीटरिंग की जा रही है जिन कर्मचारियों का नियम संबंधी ज्ञान कम पाया जाता है। उनसे विचार-विमर्श किया जाता है और उन्हें पुनश्चर्या प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है।